भोपाल के मौसम केन्द्र को मिला श्रेष्ठता का सम्मान

❑ डॉ. जी.डी. मिश्रा

15 जनवरी, 2010 को नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में मौसम केन्द्र भोपाल को सर्वश्रेष्ठ मौसम केन्द्र के खिताब से नवाजा गया। यह पुरस्कार श्री पृथ्वीराज चौहान मंत्री पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय भारत सरकार द्वारा मौसम केन्द्र भोपाल के निदेशक डॉ. डी.पी.दुबे को प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता ए.व्ही.एम. डॉ. अजीत त्यागी, महानिदेशक मौसम विज्ञान विभाग ने की।

मौसम केन्द्र भोपाल जिसका कार्य क्षेत्र सम्पूर्ण मध्यप्रदेश है। यह भोपाल स्थित अरेरा हिल्स में लगभग एक हैक्टेयर क्षेत्र में हरियाली तथा वृक्षों के बीच अक्षांश 23^{0}17 पूर्व देशांश 77^{0}21 उत्तर तथा मध्य समुद्र तल ऊँचाई 522.4 मीटर में स्थित है। इस परिसर में एक अत्याधुनिक भूकम्प वेधशाला, जलमौसम विज्ञान, सूर्य ऊर्जा से चलने वाला स्वचलित मौसम केन्द्र, कृषि एकक सलाहें के साथ मौसम केन्द्र है।

भोपाल खुबसूरत झीलों और वादियों का शहर है। यहाँ वर्ष भर का मौसम औसत

रूप से सबसे अच्छा रहता है। इस शहर के आसपास भोजपुर का शिवलिंग, साँची का स्तूप , भीमबैठका के शैलाश्रय, एशिया की सबसे बड़ी ताजुल मस्जिद तथा सबसे छोटी ढाई सीढ़ी की मस्जिद जो कि चार चाँद लगाते हैं।

मौसम केन्द्र भोपाल जो कि प्रदेश के पूरे क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता है, जिसमें शामिल हैं 50 जिले, 341 तहसीलें, 313 विकासखण्ड, 89 आदिवासी विकासखण्ड, 394 नगर, 55,393 ग्राम, भौगोलिक क्षेत्रफल 308 हजार वर्ग कि.मी. तथा कुल जनसंख्या (2001) 60,348 हजार।

पूरे प्रदेश में मौसम सेवाओं की विभागीय तथा अंशकालीन वेधशालाओं का जाल बिछा हुआ है। प्रत्येक जिले में स्वचलित मौसम केन्द्र तथा तहसीलों , विकासखण्डों में स्वचलित वर्षा मापक केन्द्रों का जाल बिछा हुआ है जो कि सूर्य ऊर्जा से पोषित है, जिसमें अत्याधुनिक प्रेषक प्रणाली द्वारा डाटा शीघ्रातिशीघ्र मौसम केन्द्र भोपाल तथा सारे देश में प्रेषण होता है। म.प्र. के अंतर्गत सभी हवाई अड्डों तथा प्रदेश सरकार की हवाई पट्टियों को मौसम पूर्वानुमान आवश्यकता पड़ने पर शीघ्रातिशीघ्र दिया जाता है।

मौसम केन्द्र भोपाल से कृषि एकक सेवाएँ जो कि आधुनिक संचार प्रणाली से किसानों को मौसम पूर्वानुमान तथा कृषि सलाहें दी जाती हैं। मौसम केन्द्र भाोपाल में विश्व की श्रेष्ठतम तकनीक की भूकम्प वेधशाला स्थित है जो कि कहीं भी पृथ्वी की भूगभीय हलचल को अंकित कर सूचना तुरन्त नई दिल्ली मुख्यालय पहुँच जाती है। मौसम केन्द्र भोपाल द्वारा 24 घण्टे सुविधाएँ उपलब्ध करवाई जाती हैं।

1. अगले 24-48 घण्टों का मौसम पूर्वानुमान।
2. पिछले 24 घण्टों का प्रदेश का मौसम।
3. किसानों को पाँच दिनों का पूर्वानुमान तथा सलाहें।
4. इसके अतिरिक्त केन्द्र द्वारा नियमित रूप से दूरदर्शन तथा अन्य चैनलों, समाचार-पत्रों, पत्रकारों, जनसम्पर्क, यूएनआई, पीआईबी, पीटीआई राइटर तथा प्रदेश स्थित सभी आकाशवाणी केन्द्रों, रेल्वे, सिंचाई

स्वचालित वर्षामापक

स्वचालित मौसम स्टेशन

भूकंप वेधशाला

सभी छायाचित्र : राजू

भूकंप वेधशाला में उपयोग आने वाला उपकरण

विभाग, सेतु निगम, प्रदेश के नगर निगमों, राहत आयुक्त, कृषि संचालनालय और भी कई अन्य देश के विभागों को मौसम सूचनाएँ, भारी वर्षा, तेज आँधी, ओलावृष्टि, लू आदि की चेतावनी भी ई-मेल, फैक्स,फोन आदि से दी जाती है।

5. मौसम केन्द्र भोपाल से कम्प्यूटर आधारित प्रणाली से 0755-2551523, 2551524 फोन नम्बरों से 24 घण्टों तापमान तथा स्थानीय मौसम की जानकारी प्राप्त होती रहती है। इसके अतिरिक्त इस केन्द्र से इस केन्द्र के फोन नम्बरों पर 24 घण्टों कहीं से भी जानकारी ली जा सकती है।

मौसम केन्द्र भोपाल का महत्व इसलिए और भी बढ़ जाता है कि यह प्रदेश दलहन उत्पादन में देश का अग्रणी प्रदेश है। दूसरी ओर इस प्रदेश में 2400 झीलें हैं। प्रदेश में सिंचाई के रूप में उपयोग किए जाने वाले जल भण्डारों की संख्या 2,598 है। ग्रामीण स्तर पर मौजूद तालाबों की संख्या 2,598 है। राज्य भर के छोटे-छोटे गाँवों में भी मौजूद जल संरचनाओं की संख्या 35,392 है। मध्यप्रदेश ऐसा राज्य है जिसकी सीमा न तो किसी देश से मिलती है न ही किसी समुद्र से मिलती है।

मध्यप्रदेश राज्य नर्मदा, बेतवा, केन, सोन, ताप्ती, चम्बल, पेंच, बैनगंगा एवं माही नदियों का उद्‌गम स्थल है। ये नदियाँ सभी दिशाओं में प्रवाहित होती हैं।

प्रदेश का औसत जल प्रवाह 81.5 लाख हैक्टेयर मीटर है जिसका 56.8 लाख हैक्टेयर मीटर प्रदेश उपयोग करता है। प्रदेश में भू-गर्भीय जल की मात्रा 34.5 लाख हैक्टेयर मीटर है। प्रदेश में कुल वार्षिक वर्षा औसत 989 मि.मी. है। राज्य की 49.50 प्रतिशत जनसंख्या कृषि पर निर्भर है। राज्य की नदियाँ केवल वर्षा पोषित हैं। प्रदेश में सबसे अधिक झीलें 22 जबलपुर जिले में, जबकि भोपाल में 18 झीलें हैं।

मौसम केन्द्र भोपाल की यात्रा 17 जुलाई, 1976 को एक छोटे से किराए के मकान में शुरू हुई जो आज अपने स्वयं के भवन में स्थित है जो कि 35 वर्षों से अनवरत चलती हुई सर्वश्रेष्ठ के मुहाने पर आ खड़ी हुई।

विगत 2007 में मौसम केन्द्र भोपाल के तत्वावधान में ट्रापमेट-2007 का सफल आयोजन किया गया। इस केन्द्र में एक और सौगात डाप्लर रेडार लगाने की पूरी तैयारी है जो कि मौसम की सटीक जानकारी के लिए मील का पत्थर होगा। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय का प्रथम सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी का पुरस्कार श्री वहिद खान ,मौसम केन्द्र भोपाल को 2008 में दिया गया।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा आठ फरवरी, 2010 को आयोजित राष्ट्रीय हिन्दी राजभाषा संगोष्ठी जो कि " जलवायु परिवर्तन का समाज पर प्रभाव" विषय पर थी, जिसमें डॉ. जी.डी. मिश्रा मौसम केन्द्र भोपाल को श्रेष्ठ वाचन हेतु द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।